7 SEP 2019

ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे Time allowed: Three Hours	DTVF/19(JS)–ESY-E5	अधिकतम अंक: 250 Maximum Marks: 250

Name: Girdhari lal Meena **Mobile Number:** _____

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** AWAKE-19|E017

Center & Date: Delhi, 06|09|2019 **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 0856006

प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णत: काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

	निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.)	अंक (Marks)
खंड-A Section-A		
खंड-B Section-B		
सकल योग (Grand Total)		

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

खंड A और B में प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिये, जो प्रत्येक लगभग 1000–1200 शब्दों का हो: 125 × 2 = 250

Write TWO Essays, choosing ONE from each of the Section A and B, in about 1000–1200 words each: 125 × 2 = 250

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

खंड–A / SECTION –A

1. कृत्रिम बुद्धिमत्ता: भविष्य का विज्ञान या संकट।

   Artificial Intelligence: The science of future or a crisis?

2. एक बालक, एक शिक्षक, एक कलम तथा एक पुस्तक ही भारत को रूपांतरित कर सकते हैं।

   One child, one teacher, one pen and one book can change India.

3. न्यू इंडिया@75 : भारत में कृषक न्याय।

   New India@75: Justice to the farmer in India.

4. भीड़तंत्र का न्याय भारत में आंतरिक सुरक्षा की नवीन चुनौती।

   Mob justice is a new challenge to the internal security of India.

खंड–B / SECTION –B

1. शक्ति संपृक्त क्षमा यदि वीरोचित है तो शक्ति रहित क्षमा कायरता।

   If doughty forgiveness is heroic, effete forgiveness is cowardice.

2. लोकतंत्र कुछ विशेषाधिकार प्राप्त लोगों का ही नहीं बल्कि प्रत्येक व्यक्ति का भौतिक एवं आध्यात्मिक संभावनाओं में एक विश्वास है।

   Democracy is not only a matter of privileged ones rather it is every man's belief in the physical and spiritual possibilities.

3. समय व्यर्थ करना स्वयं को ही लूटना है।

   Wasting time is robbing oneself.

4. शिक्षा समृद्धि में एक आभूषण एवं विपत्ति में एक शरणस्थली है।

   Education is an embellishment in prosperity and a refuge in adversity.

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खंड–A / SECTION –A

1. कृत्रिम बुद्धिमत्ता: भविष्य का विज्ञान या संकट।

   Artificial Intelligence: The science of future or a crisis?

2. एक बालक, एक शिक्षक, एक कलम तथा एक पुस्तक ही भारत को रूपांतरित कर सकते हैं।

   One child, one teacher, one pen and one book can change India.

3. न्यू इंडिया@75 : भारत में कृषक न्याय।

   New India@75: Justice to the farmer in India.

4. भीड़तंत्र का न्याय भारत में आंतरिक सुरक्षा की नवीन चुनौती।

   Mob justice is a new challenge to the internal security of India.

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

SECTION-A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

① "कृत्रिम बुद्धिमता : भविष्य का विज्ञान या संकट"

"वो मूर्ख है जो यह कहते हैं कि मशीनें मानव व मानवता पर नियंत्रण कर लेगी क्योंकि मशीनों द्वारा ऐसा अब तक किया जा चुका है।"

उपरोक्त कथन बढ़ते मशीनीकरण व मानवीय चिंताओं के सम्बन्धों के बारे में बताता है। समाज का एक वर्ग यह मानता है कि मशीनें व मानवता साथ-साथ नहीं चल सकती है। मशीनीकरण की इसी दिशा में कृत्रिम बुद्धिमता एवं सम्बन्धित तकनीकों का विकास हुआ है। इस कारण मानवता, नैतिकता तथा मशीन-मानव संबंधों से सम्बंधित चर्चा आम हो गई है। इसी कारण माना जा रहा है कि कृत्रिम बुद्धिमता भविष्य में मानवीय विनाश का कारण बनेगी। स्टीफन हॉकिन्स द्वारा भी इसी प्रकार की चिंता व्यक्त करते हुए कहा था कि "मानव का भविष्य 1000 साल से ज्यादा का नहीं होगा।"

अतः इसी दिशा में चर्चा करते हुए हम यह जानेंगे कि कृत्रिम बुद्धिमता भविष्य का विज्ञान है या भविष्य का संकट। इससे पूर्व

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कृत्रिम बुद्धिमता के बारे में जानना आवश्यक है। विश्व आर्थिक मंच के अनुसार "मानवीय हस्तक्षेप के बिना मशीन लर्निंग की प्रक्रिया द्वारा मानवीय व्यवहार को समझना तथा उसी आधार पर व्यवहार करना तथा स्वतंत्र निर्णय लेने वाली तकनीक कृत्रिम बुद्धिमता है" आज हम तकनीकी क्षेत्र में बहुत प्रगति कर चुके हैं तथा अब मशीनें भी स्वतंत्र रूप से निर्णय ले रही हैं। बिना ड्राइवर की कार कृत्रिम बुद्धिमता का एक सरलतम रूप है। विभिन्न क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमता से संबंधित विकास किया जा रहा है।

विश्व आर्थिक मंच द्वारा भारत में भी औद्योगिक क्रांति 4.0 (जो कृत्रिम बुद्धिमता पर आधारित है) के लिए एक केन्द्र का निर्माण किया है। इसी कारण चर्चा की जा रही है कि कृत्रिम बुद्धिमता भविष्य की विज्ञान है। कृत्रिम बुद्धिमता के प्रयोग के व्यापक क्षेत्र इसके प्रति उत्साह को और अधिक बढ़ा रहे हैं। कृत्रिम बुद्धिमता का प्रयोग औद्योगिक क्षेत्र में किया जा सकता है। कृत्रिम बुद्धिमता के प्रयोग से उत्पादन में इकोनॉमी ऑफ स्केल को प्राप्त किया जा सकता है। इस कारण विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा तथा रोजगार के नये अवसरों का सृजन होगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कृत्रिम बुद्धिमता का प्रयोग शिक्षा, स्वास्थ्य एवं कृषि के क्षेत्र में किया जा सकता है जो इसे भविष्य का विज्ञान सिद्ध करते हैं। टेली-मेडिसीन, टेली-एजुकेशन के दायरे को बढ़ाया जा सकता है। रोगी की निगरानी व दवाओं के प्रभाव के बारे में कृत्रिम बुद्धिमता के प्रयोग से सटीक जानकारी प्राप्त की जा सकती है। दवा विनिर्माण क्षेत्र में इसके प्रयोग से डेय के सृजन के साथ-साथ विभिन्न दुर्लभ व असाध्य रोगों के लिए भी दवा उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकती है।

कृत्रिम बुद्धिमता के प्रयोग से शिक्षा में गुणवत्ता का समावेश किया जा सकता है तो बच्चे की बौद्धिक क्षमता के आधार पर पाठ्यक्रम का निर्धारण किया जा सकता है। कृषि के क्षेत्र में मृदा की गुणवत्ता का आकलन, आवश्यक उर्वरक मात्रा सुझाना तथा कृषि बाजार आसूचना प्रणाली को सुदृढ़ किया जा सकता है। अशोक दलवई समिति के द्वारा भी 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमता व अन्य आधुनिक तकनीकों के प्रयोग की सिफारिश की है। कृत्रिम बुद्धिमता का प्रयोग घरेलू क्षेत्र में भी किया जा सकता है। रोबोटिक्स प्रणाली को उन्नत कर घर की सफाई, वृद्धों व बच्चों की देखभाल तथा डिजिटल घर (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) के निर्माण में कृत्रिम बुद्धिमता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रभावी सायी की भूमिका का निर्वहन कर सकती है।

कृत्रिम बुद्धिमता के प्रयोग का क्षेत्र यहीं तक सीमित नहीं है। कृत्रिम बुद्धिमता का प्रयोग अंतरिक्ष अन्वेषण व भूगर्भीय अध्ययन में किया जा सकता है। चन्द्रयान-2 में भी कुछ हद तक इस तकनीक का प्रयोग किया गया है। परग्रहीय वायुमण्डल व खनिज के बारे में जानकारी प्राप्त की जा सकती है। कृत्रिम बुद्धिमता के प्रयोग से पृथ्वी की आंतरिक संरचना, शेल गैस व तेल के बारे में जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इस आधार पर कृत्रिम बुद्धिमता ऊर्जा सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है।

कृत्रिम बुद्धिमता का प्रयोग आपदा प्रबंधन, मौसम पूर्वानुमान तथा अपशिष्ट प्रबंधन में किया जा सकता है। आपदा प्रबंधन में ज्वालामुखी पदार्थ का एकत्रण, सूचना समन्वितता व समन्वय के लिए कृत्रिम बुद्धिमता का प्रयोग किया जा सकता है। मौसम पूर्वानुमान के माध्यम से चेतावनी प्रणाली को प्रभावी बनाया जा सकता है जो जान व माल की हानि में कमी करेगी। कृत्रिम बुद्धिमता का प्रयोग अपशिष्ट प्रबंधन तथा "वेस्ट टू एनर्जी" के क्षेत्र में

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

भी किया जा सकता है। इस तरह से उपयोग तो कृत्रिम बुद्धिमता को "भविष्य के विज्ञान" के रूप में सिद्ध कर रहे हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कृत्रिम बुद्धिमता का प्रयोग प्रशासनिक व राजनीतिक क्षेत्र में त्वरित निर्णय निर्माण में किया जा सकता है। प्रशासनिक क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमता के माध्यम से सृजित डेटा का उपयोग योजनाओं को लक्षित बनाने में किया जा सकता है। इस आधार पर भ्रष्टाचार में कमी आयेगी तथा नवीन भारत के निर्माण में सहायता मिलेगी। कृत्रिम बुद्धिमता के प्रयोग से सीमा प्रबंधन को सुदृढ़ किया जा सकता है। इस आधार पर विभिन्न सीमा प्रबंधन हितधारकों के मध्य सूचनाओं का त्वरित सम्प्रेषण तथा प्रभावी निर्णयन में सहायता मिलेगी। बचाव अभियान में भी कृत्रिम बुद्धिमता आधारित मशीनों की भूमिका को पहचाना जा सकता है। कृत्रिम बुद्धिमता अनुसंधान एवं विकास प्रक्रिया को गति प्रदान करेगी। इस कारण जागरूक समाज का निर्माण होगा तथा समाज में वैज्ञानिकता को बढ़ावा मिलेगा। इस वैज्ञानिकता के कारण समाज में पूर्वाग्रहों व नकारात्मक विचारों पर नियंत्रण किया जा सकेगा।

कृत्रिम बुद्धिमता का प्रयोग

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

बैंकिंग क्षेत्र में भी किया जा सकता है। बैंकिंग क्षेत्र में उत्पादों को विविधता प्रदान करना, सरकार तथा बैंकिंग क्षेत्र के मध्य समन्वय तथा इंटर क्रेडिटर एग्रीमेंट को सफलतापूर्वक लागू करने से बैंकिंग अभिशासन में सुधार होगा घोटालों पर नियंत्रण किया जा सकता है। परिवहन प्रणाली में टेस्ला कम्पनी द्वारा कृत्रिम बुद्धिमता आधारित स्वचालित कार का परीक्षण किया जा रहा है। इस कारण कृत्रिम बुद्धिमता के प्रयोग के क्षेत्र तो इसे भविष्य के विज्ञान के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं।

कृत्रिम बुद्धिमता के प्रयोग के क्षेत्रों को विस्तार करके देखे तो हम जलवायु परिवर्तन तथा इससे सम्बन्धित समस्याओं के समाधान का माध्यम सोच सकता है। कृत्रिम बुद्धिमता वर्तमान प्रदूषण का स्वतंत्र मापन कर आवश्यक उपाय भी प्रदान कर सकती है। कृत्रिम बुद्धिमता के प्रयोग से जलवायु परिवर्तन के प्रति वैश्विक प्रयासों को समन्वित किया जा सकता है तो समुद्र जल स्तर में वृद्धि, ओजोन क्षरण, ग्लेशियरों के पिघलने सम्बन्धित प्रक्रियाओं को पहचाना जा सकता है। इस तरह कृत्रिम बुद्धिमता भविष्य के विज्ञान के रूप में दिखाई दे रही है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

यद्यपि सिक्के के दूसरे पहलू पर भी विचार करना आवश्यक है। कृत्रिम बुद्धिमता के प्रयोग से संबंधित चिंताएं भी कम नहीं हैं जो इसे संकट के रूप में प्रदर्शित करती है। स्टीफन हॉकिन्स के अनुसार "कृत्रिम बुद्धिमता मानव के साथ-साथ मानवता का भी पतन कर देगी जो भविष्य के लिए हानिकारक होगा।" माना जा रहा है कि कृत्रिम बुद्धिमता के प्रयोग से नैतिकता व मानवता के स्वर में कमी आयेगी। इस कारण मानवीय अस्तित्व का मूल तत्व ही खत्म हो जायेगा।

कृत्रिम बुद्धिमता के कारण सहयोग, समन्वय, साहिच्युता के मूल्यों में कमी आयेगी। इस कारण मूल्यों की कमी से मनुष्य पशु के समान हो जायेगा। कहा गया है कि "नैतिकता, मानवता से रहित मनुष्य किसी भी पशु से भी खराब है।" इस कारण कृत्रिम बुद्धिमता को "भविष्य के संकट" के रूप में चित्रित किया जा रहा है। कृत्रिम बुद्धिमता के कारण रोजगार पर संकट आ सकता है तो इन प्रकार की तकनीकों का स्वामित्व समृद्ध वर्ग के पास होने से सामाजिक - आर्थिक विषमता को बढ़ावा मिलेगा। इस तरह तो वर्ग संघर्ष के

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

लिए पृष्ठभूमि का निर्माण होगा। वर्तमान भारत में पिछले वर्ष सृजित परिसम्पत्ति के 73% भाग पर शीर्ष 1% लोगों का अधिकार था (ऑक्सफेम रिपोर्ट)।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण युद्ध की भयावहता बढ़ जायेगी तथा मानवीय युद्धों के पश्चात उत्पन्न होने वाली संवेदना की कमी से युद्ध भी नैतिकता से विहीन हो जायेंगे। मशीन द्वारा यदि गलती की जाती है तो इसका उत्तरदायित्व निर्धारण तथा इसे रोकना कठिन है। रोबोटिक डॉग्स से गलती या स्वचालित कार द्वारा दुर्घटना होने पर क्या किया जायेगा?

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण निजता के मूल अधिकार (पुट्टास्वामी वाद) का अतिक्रमण होगा तो मानव की बुद्धि व सोचने, समझने की क्षमता पर नियंत्रण किया जा सकेगा। सैम (राजनीतिक रोबोट), सोफिया (नागरिकता प्राप्त रोबोट) समाज के प्रति क्या अनुक्रिया करेंगे तथा समाज का इनके साथ कैसा सरोकार होगा, यह भी निश्चित नहीं है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता नवउपनिवेशवादी शोषण को तीव्र कर देगी क्योंकि इस पर विकसित देशों का अधिकार होगा। पर्यावरण के अति दोहन, ऊर्जा की अधिक आवश्यकता के कारण सतत विकास लक्ष्य भी बाधित हो सकते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

कृत्रिम बुद्धिमता से संबंधित ये समस्याऐ कृत्रिम बुद्धिमता को एक संकट के रूप में प्रस्तुत कर रही है। अब आवश्यकता इस बात की है कि कृत्रिम बुद्धिमता से संबंधित चिंताओं का समाधान किया जाये। असीमो के रोबोटिक्स नियमों को लागू किया जाये तथा कृत्रिम बुद्धिमता का सर्वप्रमुख हित मानवीय कल्याण होना चाहिए। कृत्रिम बुद्धिमता मानवता व नैतिकता को बढ़ावा देने वाली होनी चाहिए न कि कम करने वाली।

संयुक्त राष्ट्र संघ के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से कृत्रिम बुद्धिमता से संबंधित नियमों के निर्माण की आवश्यकता है जो मानव की निजता का भी सम्मान करे। हमें आवश्यकता है कि कृत्रिम बुद्धिमता का प्रयोग करने वाला नागरिक भी नैतिक हो। इसके लिए शिक्षा एवं समाजीकरण की प्रक्रिया में सुधार आवश्यक है। समाजीकरण की उचित प्रक्रिया के माध्यम से मानव में नैतिक मूल्यों का समावेश किया जाना चाहिए। इन मूल्यों का दायरा "मैं" के बजाय "हम" तक विस्तारित हो।

कृत्रिम बुद्धिमता का प्रयोग अंतरिक्ष, आपदा प्रबंधन व अन्य जटिल क्षेत्रों में किया

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

जाना चाहिए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लाभों का विस्तार समाज के सभी वर्गों तक किया जाना चाहिए जो वर्ग समन्वय का माध्यम बने तथा गरीबी व बेरोजगारी को दूर किया जा सके। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग सुशासन की स्थापना के लिए किया जाना चाहिए। इस तकनीक को लैंगिक रूप से निरपेक्ष बनाकर मानवीय विकास का आधार बनाया जाना चाहिए। भारत द्वारा इस तकनीक का लाभ लेने के लिए अनुसंधान एवं विकास पर पर्याप्त ध्यान देना चाहिए।

निष्कर्षतः तकनीक नैतिक दृष्टि से निरपेक्ष होती है। यह प्रयोग करने वाले पर निर्भर करता है कि वह इसका किस प्रकार प्रयोग करता है। तकनीक तो मानवीय जीवन को सरल बनाती है। अतः आवश्यकता इस बात है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रयोग से संबंधित मानकों में स्पष्टता हो साथ ही अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर बल दिया जाना चाहिए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रयोग करने वाले स्मार्ट नागरिक की आवश्यकता है। इसका प्रयोग सतत व समावेशी विकास के लिए किया जाना चाहिए। इन सब उपायों के माध्यम से कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संकट वाले प्रश्नचिन्ह को

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

इसके भविष्य के विज्ञान के रूप में प्रयोग कर ~~विश्वास में~~ कृत्रिम बुद्धिमता के ~~प्रति~~। प्रति विश्वास में वृद्धि की जानी चाहिए। सार रूप में कहें तो -

"कृत्रिम बुद्धिमता को संकट का कारण मानना उसी प्रकार है जैसा अमेरिका पर हमले के लिए हेलिकॉप्टर व ऊँची इमारतों को जिम्मेदार मानना। तकनीक का प्रयोग निष्पक्षता से मानव कल्याण के लिए किया जाना चाहिए।"

—x—x—x—x—

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

खंड–B / SECTION –B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. शक्ति संपृक्त क्षमा यदि वीरोचित है तो शक्ति रहित क्षमा कायरता।

   If doughty forgiveness is heroic, effete forgiveness is cowardice.

2. लोकतंत्र कुछ विशेषाधिकार प्राप्त लोगों का ही नहीं बल्कि प्रत्येक व्यक्ति का भौतिक एवं आध्यात्मिक संभावनाओं में एक विश्वास है।

   Democracy is not only a matter of privileged ones rather it is every man's belief in the physical and spiritual possibilities.

3. समय व्यर्थ करना स्वयं को ही लूटना है।

   Wasting time is robbing oneself.

4. शिक्षा समृद्धि में एक आभूषण एवं विपत्ति में एक शरणस्थली है।

   Education is an embellishment in prosperity and a refuge in adversity.

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

SECTION-B

③ समय व्यर्थ करना स्वयं को ही लूटना है।

"मैंने समय को बर्बाद किया और समय ने मुझे बर्बाद कर दिया।"

नेपोलियन का यह कथन हमें समय की महत्ता के बारे में बताता है। इतिहास में ऐसे असंख्य उदाहरण देखे जा सकते हैं जहाँ समय की कद्र न करने पर व्यक्ति का पतन हो गया तथा समय का पालन करने वालों ने भारत पर अधिकार कर लिया। समय को अमूल्य संसाधन माना जाता है। सुकरात द्वारा भी समय की महत्ता को उजागर किया तथा बताया कि समय को व्यर्थ करने वालों को इतिहास में दर्ज नहीं किया जाता। समय को बर्बाद करने वाले वर्तमान का उपयोग नहीं कर पाते। इस कारण उनका भविष्य भी खराब हो जाता है। इस आधार पर समय को व्यर्थ करना स्वयं को ही लूटने जैसा है।

व्यक्ति द्वारा स्वयं की महत्ता को नहीं पहचाना जाता तथा वह इसका दुरुपयोग करता है। समय का दुरुपयोग अनुत्पादक कार्यों के लिए किया

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जाता है इस कारण व्यक्ति स्वयं की क्षमताओं का उपयोग नहीं कर पाता। इस कारण वह सम्भावनाओं से युक्त संसार में भी अनुपयोगी हो जाता है। व्यक्ति द्वारा समय की महत्ता को नहीं पहचाना जाता, इस कारण वह समय को व्यर्थ करता रहता है।

अब हम यह जानेंगे कि समय को व्यर्थ करना स्वयं को ही लूटना जैसा कैसे है? समय प्रबंधन के कारण व्यक्ति अपने लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर पाता है। भारत द्वारा स्वतंत्रता के पश्चात अपने समय का प्रबन्धन नहीं किया। इस कारण कई समस्याऐ अभी भी शेष है। समय व्यर्थ होने से भारत समावेश, सतत विकास तथा गरीबी निवारण जैसे लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर सकता है। कई देशों द्वारा समय को व्यर्थ किया गया, इस कारण वहाँ वर्तमान मे राजनीतिक अस्थायित्व तथा संघर्ष मौजूद है। स्वयं के विनाश का कारण समय को बर्बाद करना है।

समय को बर्बाद करने के कारण व्यक्ति राष्ट्र निर्माण मे अपना योगदान नहीं दे पाता। इस कारण उसकी पहचान को भविष्य द्वारा भी वैधता नहीं दी जाती। गाँधीजी द्वारा कहा गया था " मानव समय का सदुपयोग कर स्वयं का विकास करने के साथ-साथ राष्ट्र व मानवता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

को भी विकास की दिशा प्रदान कर सकता है।"
समय प्रबंधन के कारण व्यक्ति में प्रतिबद्धता, समर्पण, सेवा भावना के साथ-साथ सहिष्णुता, सत्यनिष्ठा का भी विकास होता है। इन गुणों के कारण व्यक्ति मानव होने का अपना अधिकार स्थापित करता है। इन गुणों से रहित व्यक्ति एक पशु के समान है।

भगवतगीता में भी समय की महत्ता को उजागर किया गया है। इसके अनुसार समय व्यक्ति के भविष्य का साधन है इसका सदुपयोग व्यक्ति के विकास में सहायक होता है। समय को बर्बाद करने वाला कहीं खो जाता है। समय को बर्बाद करने वाले इतिहास नहीं बना पाते तथा उनको लोगों द्वारा भी याद नहीं किया जाता। अब्दुल कलाम तथा गाँधीजी इसलिए प्रसिद्ध हैं क्योंकि उनके द्वारा समय व ऊर्जा का विभिन्न कार्यों के बावजूद उचित दिशा में उपयोग किया। इसी कारण भारत एक को राष्ट्रपिता कहता है तो दूसरे को "मिसाइलमैन" माना जाता है।

समय को बर्बाद करने वालों का भविष्य भी अंधकारमय होता है। इस कारण वे स्वयं को ही बर्बाद कर लेते हैं। समय के साथ नहीं चलने के कारण व्यक्ति रूढ़िवादिता तथा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

पूर्वाग्रहों से मुक्त हो जाता है इस कारण मानव का विकास भी बाधित रहता है। समय का उपयोग न करने वाला व्यक्ति समाज के विकास में योगदान नहीं दे पाता। इस कारण ऐसे व्यक्ति को समाज में उचित सम्मान भी नहीं मिल पाता। समाज व्यक्ति को कार्य करने की ऊर्जा प्रदान करता है। सम्मान रहित व्यक्ति अवसाद तथा निराशा का शिकार हो जाता है तथा उसका अस्तित्व ही समाप्त हो जाता है।

समय का उपयोग नहीं करने के कारण व्यक्ति में नेतृत्व क्षमता का विकास नहीं हो पाता। ऐसा व्यक्ति एक यांत्रिक वस्तु के समान अपना जीवन काटता है। इस तरह समय व्यर्थ करना स्वयं को ही लूटना है। प्राचीन भारत में कई राजाओं द्वारा समय का उपयोग नहीं किया इस कारण वर्तमान उनको लूटा हुआ मानता है। यदि पृथ्वीराज चौहान समय पर प्रतिक्रिया करता तो भारत का भविष्य और होता है। अंग्रेजों के खिलाफ भी समय के आधार पर अनुक्रिया न होने से 200 वर्षों तक भारतीय हथेली पर जमता लिया गया। कई राष्ट्र काल के ग्रास में समा गये क्योंकि उनके द्वारा समय की महत्ता को

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

नहीं पहचाना गया। यदि भारत वर्तमान समस्याओं को समय रहते नहीं पहचानता तथा कोई उपाय नहीं करता तो इसका तात्पर्य स्वयं को बर्बाद करना जैसा है।

स्वयं को व्यर्थ करते हुए यदि विश्व पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान नहीं करता तो हमारा भविष्य भी प्रश्नचिन्ह के घेरे में आजायेगा। इस कारण कहा जाता है कि मानव का भविष्य या तो हरा होगा या होगा ही नहीं। समय को व्यर्थ करने से वर्तमान जगत की पर्यावरणीय समस्याओं का प्रभावी समाधान नहीं हो पायेगा जो विश्व के अस्तित्व के लिए ही संकट होगा। इस चुनौतीपूर्ण स्थिति से बचने के लिए विश्व स्तर पर समय की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है।

भारत द्वारा यदि समय रहते आर्थिक व प्रशासनिक क्षेत्र में कार्य नहीं किया तो भारत की सुरक्षा के सम्मुख कई संकट खड़े हो जायेंगे। यदि सामाजिक - आर्थिक विषमता तथा महिला सम्बन्धी चुनौतियों का समाधान नहीं किया गया तो समाज का विकृत विकास होगा। साथ ही नक्सलवाद के समाधान के लिए हमें द्वारा प्रभावी उपय समयपर

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

नहीं किये गये इस कारण कई आंतरिक सुरक्षा संबंधी चुनौतियाँ सामने आ रही है।

समाज के स्तर पर सभी वर्गों की भागीदारी व अस्तित्व को स्वीकार करना होगा। यदि हम ने समाज सुधार के क्षेत्र में समय की आवश्यकता के आधार पर कार्य नहीं किया तो समाज भी व्यर्थता की ओर बढ़ सकता है। समय के व्यर्थ के कारण व्यक्ति अपनी भूमिका को नहीं निभा पाता जो जिम्मेदार नागरिक के लिए आवश्यक होती है। इस कारण व्यक्ति के आंतरिक व बाह्य जीवन में संघर्ष होता है जो व्यक्तित्व के विकास में बाधक होता है।

वर्तमान संसार में बिल गेट्स इसलिए सफल हुआ क्योंकि उसके द्वारा समय का प्रयोग किया किया। समय का उपयोग न करने पर उद्योगपति सफल नहीं हो पाता श्रीधरन द्वारा दिल्ली मेट्रो का कार्य समय का उचित रूप से उपयोग करते हुए "समय से पहले" पूरा किया। इस तरह समय के साथ चलने वाला व्यक्ति सफल होता है। इतिहास में ऐसे कई उदाहरण है जहाँ समय के मूल्य को पहचाना गया

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

तथा सफलता के शिखर तक पहुँचा गया।

समय का पालन व्यक्ति को नियमों के पालन के बारे में बताता है। नियमों का पालन करने वाला व्यक्ति अनुशासित व संयमित जीवन का निर्वहन करता है जो व्यक्तित्व का विकास करता है। समय को व्यर्थ करने से व्यक्ति अपने अवसरों का दोहन नहीं कर पाता। भारतीय संस्कृति में ऐसी कहानियाँ विद्यमान हैं जो समय के महत्व के बारे में बताती है। कहा गया है कि "समय किसी के लिए नहीं रुकता और जो समय के साथ चलते हैं वो वर्तमान व भविष्य में प्रसिद्ध हो जाते हैं।"

समय के पालन से व्यक्ति की मानसिक व बौद्धिक क्षमता का विकास होता है। इस कारण व्यक्ति समय की आवश्यकता के आधार पर कार्य करना है। नेपोलियन द्वारा समय का पालन करते हुए सत्ता की प्राप्ति की थी और कहा कि "यदि मेरी थोड़ी भी देर हो जाती तो वह समय के साथ स्वयं को भी व्यर्थ कर लेता।" समय के पालन से व्यक्ति के विचारों व आचरण में सुसंगति बनी रहती है। इसी कारण व्यक्ति त्वरित तथा आवश्यक अनुक्रिया करता है। इस तरह भारत के

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अखिल अतीत तथा वर्तमान में समय की आवश्यकता पर बल दिया जाता रहा है। सभी व्यक्तियों द्वारा समय का पालन नहीं किया जाता।

समय के साथ चलने के लिए व्यक्तित्व का विकास किया जाना चाहिए। इस आधार पर समय को व्यर्थ नहीं करेगा तथा स्वयं को छूटने से भी बचा लेगा। समय के पालन का गुण शुरुआत से ही विकसित किया जाना चाहिए। शिक्षा व्यवस्था में प्रभावी सुधार किये जाने चाहिए जो व्यक्ति को समय के अनुसार चलना सीखाये। समाज में ऐसे व्यक्तियों को वरीयता मिलनी चाहिए जो समय पालन को लेकर सजग हो।

समाज में समय पालन के कारण व्यक्ति में भी इस गुण का विकास होगा। प्रतिबद्धता से व्यक्ति अपनी क्षमताओं को पहचान पायेगा तथा स्वयं के साथ-साथ राष्ट्र के विकास में भी भागीदार बनेगा। समय पालने के गुण को उचित समाजीकरण की व्यवस्था के माध्यम से बनाया जा सकता है। समय के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति व्यक्ति में दृढ़ता, कर्तव्य पालन, सेवा भावना तथा समानुभूति, समर्पण के

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

गुणों का विकास करेगी।

प्रशासन में भी समय के साथ चलने वाले तथा सदाचारी व्यक्तियों को आगे लाना चाहिए। प्रतिबद्धता के गुण का सेवा के दौरान भी विकास हो ताकि सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। समय पालन के कारण ही कई प्रशासक सफल हुए है। यदि स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा समय का पालन नहीं किया होता तो हमारी स्वतन्त्रता अनिश्चित हो जाती। समय का पालन व्यक्ति में संस्कृति के माध्यम से शामिल किया जा सकता है। भारतीय संस्कृति में समय के पालन को धार्मिक व धर्मनिरपेक्ष साहित्य के तहत स्वीकार किया गया है। आवश्यकता इस बात कि है कि इन मूल्यों को व्यवहार में भी लागू किया जाये तथा व्यक्तित्व के विकास में सहायता की जानी चाहिए। समय के पालन का गुण अचानक नहीं आ पायेगा। इसके लिए व्यक्ति द्वारा त्याग (आलस्य का) करना चाहिए। आलस्य मानव का सबसे बड़ा शत्रु माना गया है। अतः समय पालन को मित्र बनाकर व्यक्ति स्वयं को विनाश से बचा सकता है जिससे मानवता का भी विकास होगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

निष्कर्षतः इतिहास से सीख लेकर, वर्तमान मूल्यों को व्यापक बनाकर तथा सामाजिक सुधार के माध्यम से समय पालन को दैनिक जीवन का अंग बनाया जाना चाहिए। "दंड एवं पुरस्कार की नीति" के सहयोग से समय पालन को समाज व व्यवस्था में शामिल किया जा सकता है। भारत द्वारा अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने तथा समस्याओं को समाप्त करने के लिए समय पालन का ध्यान रखा जाना चाहिए। साथ ही व्यक्ति द्वारा स्वयं के विकास व विनाश से बचने के लिए समय पालन का भी पालन करना चाहिए। समय के महत्व के संबंध तथा मानव अनुक्रिया के संबंध में कहा गया है कि- "बुरी खबर यह है कि समय उड़ता है लेकिन अच्छी खबर यह है कि आप इसके पायलट हो।"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation